

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

**राज्यपाल ने 'सामंजस्य एवं शांति के लिये योग' विषयक संगोष्ठी
का उद्घाटन किया**

लखनऊ: 21 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा स्थानीय आई0एम0आर0पी0 गोमतीनगर के सभागार में प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित संगोष्ठी 'सामंजस्य एवं शांति के लिये योग' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लखनऊ के महापौर, डा0 दिनेश शर्मा, महानिदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, मेजर जनरल दिलावर सिंह व प्रदेश के विभिन्न जनपदों के नेहरू युवा केन्द्र संगठन से आये सदस्यगण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि सारा देश प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति कृतज्ञ है, जिन्होंने भारत के योग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा दिया है। जैसे स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो के सम्मेलन में सारी दुनिया एक परिवार है, का भाव रखा था, उसी तरह प्रधानमंत्री ने योग के महत्व को समझाया है। विश्व के 170 देशों ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का समर्थन किया है। आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि केवल यह कहना कि भारत विश्व गुरु होगा काफी नहीं है, बल्कि उसके लिये हर व्यक्ति को अपने स्तर से प्रयास करने की जरूरत है।

श्री नाईक ने कहा कि योग शरीर को ही नहीं बल्कि मन को भी स्वस्थ रखता है। मन और बुद्धि को जोड़ता है योग। उन्होंने बताया कि वे बचपन से सूर्य नमस्कार का अभ्यास करते थे जो योग विधि का एक हिस्सा है। अब से 20 वर्ष पहले उन्हें कैंसर हुआ था, शायद इसी कारण उन्होंने प्रबल इच्छा शक्ति पाई जिससे रोग पर विजय पा सके। वैदिक समाज ने हजारों साल पहले योग की स्थापना करके रोग दूर करने का रास्ता निकाला है। योग एक सस्ती विधा है जिसमें किसी साधन की जरूरत नहीं होती।

राज्यपाल ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि 21 जून फादर्स डे, विश्व संगीत दिवस और अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का संगम है, जिसमें मुख्यधारा योग दिवस की है। आज के दिन योग दिवस का आयोजन किया जा रहा है। 365 दिनों में सबसे बड़ा दिन 21 जून का होता है क्योंकि आज के दिन सूर्य उदय एवं सूर्य अस्त के बीच 13 घण्टा 50 मिनट का अन्तर होता है। उन्होंने कहा कि आज योग दिवस एवं पर्यावरण के साथ जो रिश्ता है उसे महसूस करने का दिन है।

लखनऊ के महापौर, डा0 दिनेश शर्मा ने कहा कि योग एक-दूसरे के प्रति सामंजस्य व सद्भाव का सन्देश देता है। योग का शाब्दिक अर्थ होता है जोड़ बैठाना या सामंजस्य बैठाना। योग साधना से आहार, व्यवहार व संस्कार में सकारात्मक बदलाव आते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज पूरा विश्व अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है।



